

MOTION FOR ELECTION TO THE ADVISORY COUNCIL OF THE DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

THE MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI OM MEHTA): Sir, I move:

"That in pursuance of clause (h) of sub-section (2) of section 5 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one member from among the members of the House to be a member of the Advisory Council of the Delhi Development Authority."

The question was put and the motion was adopted.

श्री भैरों सिंह शेखावत (मध्य प्रदेश) : आन ए प्वाइंट ऑफ आर्डर। यह मोशन डी० डी० ए० के संबंध में है और इस सम्बन्ध में मैं बोलना चाहता हूँ।

श्री सभापति : वह तो खत्म हो गया।

श्री भैरों सिंह शेखावत : मैं बहुत देर से खड़ा हूँ। मेरा निवेदन यह है कि...

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : मेरा बड़ा नम्रता पूर्वक निवेदन है कि हम लोग जो इस सदन में नये-नये आए हैं हमें वह पद्धति बतलाई जाए जिससे आपकी आखें पकड़ी जा सकें। हमें अपनी आखें पकड़ने का रास्ता बताइए। अगर हम उसी तरह का शोर करने लगें, उसी प्रकार का व्यवहार करने लगें जिस प्रकार और साथी करते हैं तो उचित नहीं होगा।

मैं बहुत दिन से देख रहा हूँ कि अगर कोई बात कहनी हो, वैधानिक ढंग से कहना चाहें तो हमें अवसर नहीं दिया जाता। अगर हमें अवसर नहीं दिया जाएगा तो विवश होकर हमें भी वही रास्ता अपनाना पड़ेगा। हम इस प्रश्न के ऊपर कुछ कहना चाहते थे और आपने एकदम "आयज" कहलाकर वह प्रश्न खत्म कर दिया और हम खड़े ही रह गए। आप बताइए कैसे हम आपकी आख पकड़ें।

श्री सभापति : प्रकाशवीर जी आ नये मैम्बर नहीं हैं...

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : इस हाऊस के लिए मैं नया ही हूँ।

श्री सभापति : मैंने आपको कई दफा मौका दिया है। आप देखते हैं कि जो मेरी एटेंशन ड्रा करना चाहते हैं, उनमें से कोई 'मिस्टर चेयरमैन' कहते हैं, कोई 'सर' कहते हैं और मेरी आंखें एकदम उधर घूम जाती हैं।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैंने सभापति जी कहा था...

श्री भैरों सिंह शेखावत : मैंने सभापति महोदय कहा था...

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : यह मेरा दुर्भाग्य है कि मैंने आपकी नजर आकर्षित करने के लिए 'मिस्टर चेयरमैन' या 'सर' नहीं कहा। मैंने सभापति जी कहा।

श्री सभापति : आप सभापति जी कहें या और किसी तरह से मेरी तवज्जोह दिलाएं...

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : सभापति जी, मेरा सुझाव यह है कि इस प्रश्न को लेकर इस सदन में और दूसरे सदन में भी चर्चा हो चुकी है तो मैं यह चाहता हूँ दिल्ली विकास प्राधिकरण की जितनी भी कालोनियाँ हैं इन सब की एक बार जाच कराई जाए। क्योंकि जब एक के बारे में घोटाला हो चुका है तो हो सकता है दूसरी कालोनियों में भी हो...

श्री सभापति : इसके लिए कोई और प्रोसीजर है, कोई और मोशन है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या इस वक्त हम अपने सुझाव नहीं दे सकते?

श्री सभापति : आपको मालूम है कि उस वक्त जबकि प्रोपागेंडामैन्ट्स किस्म का मोशन हो उस वक्त कोई डिबेट नहीं होती।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : सुझाव तो आ सकते हैं।

श्री सभापति : क्योंकि अब मैं पास कर चुका हूँ इसलिए उसे वापस नहीं लिया जा सकता ।

श्री राम कृपाल सिंह (बिहार) : अध्यक्ष जी, मैं इस सदन में नया मੈम्बर हूँ और आखिरी बैच पर बैठा हूँ । श्रीमन् जब मैं हाथ उठाता हूँ या सर भी कहता हूँ तो भी ध्यान नहीं दिया जाता ।

श्री सभापति : आप 'सर' कहिए या जो चाहे कहिए परन्तु मेरे कानों तक आवाज आनी चाहिए ।

MOTION REGARDING APPOINTMENT OF MEMBERS OF THE RAJYA SABHA TO THE JOINT COMMITTEE OF THE HOUSES ON THE ADOPTION OF CHILDREN BILL, 1972.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI NITIRAJ SINGH CHAUDHURY): Sir, I move:

"That Shrimati Margaret Alva, Shri T. V. Anandan and Shri Prakash Vir Shastri be appointed to the joint Committee of the Houses on the adoption of Children Bill, 1972, in the vacancies caused by the retirement of Sarvashri Shyam Dhar Misra, Man Singh Varma and Joachim Alva from the membership of the Rajya Sabha on the 2nd April, 1974."

The question was put and the motion was adopted.

MOTION REGARDING APPOINTMENT OF MEMBERS OF THE RAJYA SABHA TO THE JOINT COMMITTEE OF THE HOUSES ON THE CONSTITUTION (THIRTY-SECOND AMENDMENT) BILL, 1973.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI UMASHANKAR DIKSHIT): Sir, I move:

That this House concurs in the recommendation of the Lok Sabha that the Rajya Sabha do appoint five members of Rajya Sabha to the Joint Committee on the Constitution (Thirty-second Amendment) Bill, 1973, in the vacancies caused by the retirement of Sarvashri Jaisukhlal Hathi, Ajit Prasad Jain, Ram

Niwas Mirdha, C. D. Pande and Bindeshwari Prasad Singh from the membership of the Rajya Sabha on the 2nd April, 1974, and resolves that Sarvashri Ram Niwas Mirdha, Mohammad Yunus Saleem, Mahendra Bahadur Singh, Kishan Lal Sharma and Banarsi Das, members of the Rajya Sabha, be appointed to the said Joint Committee to fill the vacancies.

The question was put and the motion was adopted.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Constitution (Thirty-fifth Amendment) Bill, 1974.

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabha:

"In accordance with the provisions of Rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to enclose herewith the Constitution (Thirty-fifth Amendment) Bill, 1974, which has been passed by Lok Sabha at its sitting held on the 8th May, 1974, in accordance with the provisions of article 368 of the Constitution of India."

Sir, I lay the Bill on the Table.

श्री सभापति : श्री शेखावत ।

SHRI NIREN GHOSH (West Bengal): On a point of order.

MR. CHAIRMAN: I will call you after he finishes.

REFERENCE TO NEW FRIENDS' CO-OPERATIVE SOCIETY.

श्री भैरों सिंह शेखावत (मध्य प्रदेश) : न्यू फ्रेंड्स-कोऑपरेटिव सोसाइटी के खिलाफ श्री जगजीत सिंह ने एक पत्र लैप्टोनेट गवर्नर को लिखा है...

श्री सभापति : आप डिटेल्स में न जाइए ।

श्री भैरों सिंह शेखावत : मैं बता रहा हूँ कि जो पत्र उन्होंने लिखा है उसमें कुछ अपशब्द